वाशिंगटन□ □कनये अध्ययन से पता चला है कि भारतीय उसी दानदाता से अंग प्रतिरोपण या खून च□ाना पसंद करते हैं जिसका व्यक्तित्व या व्यवहार उनसे मिलता है □

मिशिगिन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने कहा कि भारत और अमेरिका में प्रतिरोपण करवाने वाले कुछ लोग मानते हैं कि उनका व्यक्तित्व या व्यवहार उसी तरह से हो जायेगा जिस तरह का खून या अंग दान करने वाले व्यक्ति का है □

शोध का नेतृत्व करने वाले मेरेडिथ मेयर ने कहा कि लोग सोचते हैं कि व्यवहार या व्यक्तित्व आशंकि रूप से खून या शरीर के अंग में गहराई तक रहता है□ यह अध्ययन भारत और अमेरिका के लोगों में कराया गया है □

भाषा